



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 289]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 3, 2019/वैशाख 13, 1941

No. 289]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 3, 2019/VAISAKHA 13, 1941

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 मई, 2019

सं. 20/2019-सीमा शुल्क (एडीडी)

सा.का.नि. 346(अ).—जहां कि इंडोनेशिया (एतश्मिन पश्चात् जिसे विषयगत देश से संदर्भित किया गया है) में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित तथा भारत में आयातित “सक्करीन” (एतश्मिन पश्चात् जिसे विषयगत वस्तु से संदर्भित किया गया है), जो कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) (एतश्मिन पश्चात् जिसे उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम से संदर्भित किया गया है), की प्रथम अनुसूची के टैरिफ मद 2925 11 00 के अंतर्गत आता है, के आयात के मामले में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अपने अंतिम निष्कर्ष में, जिसे अधिसूचना संख्या 6/13/2018-डीजीएडी, दिनांक 29 मार्च, 2019, जिसे दिनांक 29 मार्च, 2019 को भारत के राजपत्र, असाधारण, के भाग I, खंड 1, में प्रकाशित किया गया था, में इस निर्णय पर पहुंचें हैं कि—

“प्रश्नगत उत्पाद का विषयगत देश से उसके सामान्य से कम मूल्य पर भारत को निर्यात किया गया है और इसके परिणामस्वरूप यहां के घरेलू उद्योग को सारवान क्षति हुई है। यह सारवान क्षति जांच की अवधि के दौरान (पीओआई) विषयगत देश से विषयगत वस्तु के फालतू आयात के कारण हुई है।”;

और उन्होंने घरेलू उद्योग को होने वाली इस क्षति को दूर करने के लिए विषयगत वस्तु जो कि विषयगत देशों में मूलतः उत्पादित या वहां से निर्यातित है और भारत में आयातित है, के आयात पर निश्चयात्मक प्रतिपाठन शुल्क लगाए जाने की सिफारिश की है।

अतः अब सीमा शुल्क टैरिफ (पाठित वस्तु की पहचान, उनका आंकलन तथा उन पर प्रतिपाठन शुल्क का संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 18 और 20 के साथ पठित उक्त सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क की उप धारा (1) और (5) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार, विनिर्दिष्ट अधिकारी के उपर्युक्त अंतिम निष्कर्षों पर विचार करने के पश्चात्, एतद्वारा, उक्त विषयगत वस्तुओं पर जिनका विवरण नीचे दी गई सारणी के कॉलम

(3) में विनिर्दिष्ट है, जो कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के उन टैरिफ मद के अंतर्गत आती है जो कि नीचे कॉलम (2) की तत्संबंधी प्रविष्टि में निर्दिष्ट है, जो कॉलम (4) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट देश में मूलतः उत्पादित और वहां से निर्यातित है, जो कॉलम (5) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट उत्पादकों से उत्पादित है और कॉलम (6) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट निर्यातिकों से निर्यातित है और भारत में आयातित है पर कॉलम (7) की तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट राशि के बराबर की दर से तथा इसी कॉलम में विनिर्दिष्ट मुद्रा में तथा माप इकाई के अनुसार प्रतिपाठन शुल्क लगाती है, यथा:-

सारणी

क्र.सं.	शीर्षक/उप शीर्षक	वस्तु का विवरण	मूलतः उत्पादक/निर्यातिक देश	उत्पादक	निर्यातिक	राशि (अमेरिकी डालर/मैट्रिक टन)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	2925 11 00	सक्करीन, अपने सभी रूपों में	इंडोनेशिया	कोई भी	कोई भी	1633.17

2. इस अधिसूचना के अंतर्गत लगाया गया प्रतिपाठन शुल्क अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि तक (यदि इसके पहले इसे वापस नहीं लिया जाता है, इसका अधिक्रमण नहीं किया जाता है या इसमें संशोधन नहीं किया जाता है तो) लागू रहेगा और इसका भुगतान भारतीय मुद्रा में करना होगा।

स्पष्टीकरण – इस अधिसूचना के उद्देश्य के लिए ऐसे प्रतिपाठन शुल्क की गणना के प्रयोजन हेतु लागू विनिमय दर वही दर होगी जो कि भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना, जिसे सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 14 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए समय-समय पर जारी किया गया हो, में विनिर्दिष्ट की गई होगी और इस विनिमय दर के निर्धारण की संगत तारीख वह तारीख होगी जो कि उक्त सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 46 के अंतर्गत आगम पत्र में प्रदर्शित होगी।

[फा. सं. 354/63/2019-टीआरयू]

रुचि विष्ट, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF REVENUE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd May, 2019

No. 20/2019-Customs (ADD)

G.S.R. 346 (E).—Whereas, in the matter of import of ‘Saccharin’ (hereinafter referred to as the subject goods) falling under the tariff item 2925 11 00 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) (hereinafter referred to as the Customs Tariff Act), originating in or exported from Indonesia (hereinafter referred to as the subject countries), and imported into India, the designated authority in its final findings *vide* notification No. 6/13/2018-DGAD, dated the 29th March, 2019 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part I, Section 1, dated the 29th March, 2019, has come to the conclusion that:—

“the product under consideration has been exported to India from subject country below their normal values and consequently, the domestic industry has suffered material injury. Material injury has been caused by the dumped imports of subject goods from the subject country during the Period of Investigation (POI).”;

and has recommended the imposition of definitive anti-dumping duty on the imports of subject goods, originating in or exported from the subject countries and imported into India, in order to remove injury to the domestic industry.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, read with rules 18 and 20 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government, after considering the aforesaid final findings of the designated authority, hereby imposes on the subject goods, the description of which is specified in column (3) of the Table below, falling under tariff item of the First Schedule to the Customs Tariff Act as specified in the corresponding entry in column (2), originating in and exported from the countries as specified in the corresponding entry in column (4), produced by the producers as specified in the corresponding entry in column (5), exported by the exporter as specified in the corresponding entry in column (6), and imported into India, an anti-dumping duty at the rate equal to the amount, currency and per unit of unit of measurement as specified in the corresponding entry in column (7), of the said Table:-

TABLE

S. No.	Heading/ Sub-heading	Description of goods	Country of Origin/Export	Producer	Exporter	Amount (USD/MT)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	2925 11 00	Saccharin in all its forms	Indonesia	Any	Any	1633.17

2. The anti-dumping duty imposed shall be effective for a period of five years (unless revoked, superseded or amended earlier) from the date of publication of this notification in the Official Gazette and shall be payable in Indian currency.

Explanation.- For the purposes of this notification, rate of exchange applicable for the purposes of calculation of such anti-dumping duty shall be the rate which is specified in the notification of the Government of India, in the Ministry of Finance (Department of Revenue), issued from time to time, in exercise of the powers conferred by section 14 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and the relevant date for the determination of the rate of exchange shall be the date of presentation of the bill of entry under section 46 of the said Customs Act.

[F.No. 354/63/2019-TRU]
RUCHI BISHT, Under Secy.